केस अध्ययन

****

मिशन फोर हंड्रेड (400+):

**********--बेहतर परिणाम के लिए बेहतरीन प्रयास।**

1.विद्यालय का नाम:-आर एल सर्राफ उच्च विद्यालय

********** **देवघर**

2.विद्यालय प्रधान का नाम:-- श्रीमती जूली प्रसाद

****

3.विद्यालय के प्रकार :---- राजकीय कृत

****

4.कुल छात्र नामांकन:-- 660 (नवम् और दशम् वर्ग)

****

5. सामाजिक -आर्थिक सन्दर्भ:-कमजोर अत्यंत अल्प शिक्षित, ग्रामीण और निर्धनता रेखा के नीचे।

6. विद्यालय का सन्दर्भ:--परीक्षा परिणाम में सुधार।

****

7. विद्यालय का दृष्टिकोण:--सकारात्मक और उत्तरोत्तर उन्नतिशील रहने का संकल्प।

8.उद्देश्य :--- अधिकतम प्रयास, सामूहिक सहयोग और समर्पित सेवाभावी विषय विशेषज्ञ से सहायता लेकर, योजना बना उसे अम्लीजामा पहनाना।

9.चुनौतियों का सामना:--- सपने साकार करने में चुनौतियां आती ही है। इस कार्य को लेकर भी जब रणनीति बनाई जा रही थी,तभी समस्याओं की गिनती करायी गई।एक राय यह भी था कि अभी उपयुक्त समय नहीं है, छुट्टियों में शिक्षक नहीं मिलेंगे, छात्र भी आना पसंद नहीं करेंगे इत्यादि। मगर हमें भरोसा था कि एक बार सही दिशा में निर्णायक क़दम उठ जाय तो कुछ न कुछ सकारात्मक , प्रेरक और प्रभावकारी परिणाम आएंगे ही।

10. विद्यालय को विकसित करने हेतु अपनाई गई

****

रणनीति:--- सर्वप्रथम सहयोगियों के साथ बैठक की गई विचार रखे गए। तत्पश्चात वर्ग नायकों के साथ राय मशविरा किया गया। उसके पश्चात् समाज में ख्यातिप्राप्त शिक्षकों के साथ बैठक की गई। दूसरे विद्यालय के इच्छुक ज्ञानदानी के साथ संपर्क किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय को भी कार्यक्रम के संबंध अवगत कराया गया। कुछ पूर्ववर्ती छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग करने की इच्छा जताई।

11.विद्यालय में नवीन पद्धतियां:---

****

कार्यक्रम परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया था। अत: कैसे कम समय में अधिकतम कार्य और अभ्यास हो -इस पर गंभीरता से विचार किया गया,कारण बोर्ड परीक्षा में बहुत कम दिन बचे थे।

चूंकि यहां उन्हीं बच्चों को प्राथमिकता दी गई थी जो परीक्षा परिणाम बेहतर चाहते थे, छुट्टी के दिन और खासकर रविवार को विद्यालय आएंगे तथा जो संकल्प लिया जाएगा पूरा करेंगे। दरअसल औसतन प्राय: बच्चे तीन सौ से साढ़े तीन सौ अंक प्राप्त करते रहें, ऐसा देखा गया है। पहली रणनीति यह बनायी गई कि बच्चों के मन मस्तिष्क में यह बात बैठायी जाय की चार सौ नंबर लाना आपके लिए बिल्कुल आसान काम है। केवल दस नंबर की वृद्धि प्रति विषय में कर लेते हैं तो स्वाभाविक रुप से चार सौ अंक वाले क्लब में शामिल हो जाएंगे। विद्यालय तथा छात्र दोनों ही लाभान्वित होंगे। बेहतर करने वाले छात्रों को विद्यालय की ओर से डिनर पार्टी तथा विशेष सम्मान पत्र भी दिया जाएगा।

परिश्रम और प्रशंसा के साथ ही साथ परीक्षागत संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अधिकतम श्रमदान दिया और किया गया।

12. रणनीति सफल या असफल रही:-- व्यवहारिक

****

दृष्टिकोण, सेवा-समर्पण की भावना, सही दिशा में छात्र, शिक्षक और समाज के सहयोग से यह कदम उठाया गया था। पहली बार विद्यालय में इस तरह की पहल हुई थी,शंका भी जाहिर की गई थी परंतु प्राप्त परिणाम संतोषजनक थी, अत: रणनीति को सफलता की ओर बढ़ते कदम कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

बोर्ड परीक्षा 2023 के परिणाम 99% और लगभग 57 छात्रों का प्राप्तांक 400 और उससे ऊपर रहा।

13. सफलता कहां तक मिली:---आधी मंज़िल तय हुई

****

और अधिक कार्य करते रहने की आवश्यकता महसूस हुई।जो प्रारंभ में कठिन लग रहा था, नकारात्मक नारे लग रहे थे -धीरे- धीरे कम होते चले गए, कुछ लोग छूटे तो कुछ नये लोग मिशन से जूड़ भी गए।

14. मेरी असफलताएं :-- हारना मैं जानता नहीं हूं,हर
****
हार को सफलता का उपहार समझता हूं। संयोग से विजय हमारा नाम भी है। थोड़ी अपेक्षाएं बढ़ी रहती हैं औरों से। छात्र हित में सदैव तत्पर रहना -खासकर सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए -जहां के छात्र इच्छाओं को दमन कर, समस्याओं से जूझकर आगे बढ़ने के लिए लालायित रहते हैं। संसाधन का रोना रोए बगैर खुदको झोंककर, परिवर्तन कारी लोगों का सानिध्य ले, छात्रों को तलाशता हूं और उसे तराशकर उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रयत्नशील रहता हूं। सरकारी विद्यालयों के प्रति आम और खास का ध्यान आकृष्ट कराने में अनवरत जारी प्रयास को मेरी कमजोरी या असफलता जान-मान सकते हैं।

15.दृश्य परिणाम:--
**********नवम् वर्ग के बच्चे जब दशम् में पहुंचे और पूछे कि हमलोगों के लिए यह कार्यक्रम कब प्रारंभ होगा ? हमारे श्रम की वास्तविक सार्थकता तभी प्राप्त हो गई थी। लीक से हटकर करना,चाहना बगैर सबके सामूहिक प्रयास के सदैव के लिए जारी रखना मुश्किल है।
16. सर्वे से मिली सीख:----
**********निश्चित रुप से छोटे छोटे प्लान के साथ, निरंतर कुछ -कुछ करते रहें तो बेहतर से बेहतर परिणाम हम प्राप्त कर सकते हैं। परेशानी से घबराना नहीं है और आलोचना को सहजता से लेने की कला विकसित करना है। बीज को वृक्ष बनने में समय लगता है, इसके लिए भूमिगत होना पड़ता है, बहुत कुछ खोना और छोड़ना पड़ता है -प्राप्त परिणाम जब जड़ जमा लेता है -अशेष जगह पर जड़ता को समाप्त कर कीर्तिमान स्थापित कर देता है। जन्मजात प्रतिभा भी होती है मगर अधिकांश बेहतर परिणाम निरंतर श्रम, सही दिशा, संपूर्ण समर्पण, एकनिष्ठ लक्ष्य और टीम वर्क के साथ ही साथ टुकड़ों-टुकड़ों में बांटकर आसानी से उपलब्ध होते हैं -यही सार है इस सर्वे का।

17. संबंधित चित्र:---
****

विजय शंकर
सहायक शिक्षक
आर एल सर्राफ उच्च विद्यालय देवघर।